महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

इरोम के पक्ष में हिंदी विश्वविद्यालय में संवाद कार्यक्रम

इरोम शर्मिला के अनशन के 12 वर्ष, विवि के छात्रों ने निकाला कैंडिल मार्च

वर्धा दि. 5 नवंबर 2012: रविवार को वर्धा में एक बार फिर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएँ मोमबत्ती की रौशनी में उम्मीद की किरण ढूँढते नजर आये। इरोम चानू शर्मिला के लिए सबके दिलों में दर्द था। विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने इरोम के संघर्ष को समझा ही नहीं बल्कि महसूसा भी।

छात्रों द्वारा मणिपुर में 12 सालों से अनशन पर बैठी इरोम के समर्थन में एक कार्यक्रम 'इरोम शर्मिला से एक संवाद' आयोजित किया गया। इसका असर वहाँ मौजूद हर शख्श के चेहरे पर साफ़ दिख रहा था। पहले एक डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। डॉक्यूमेंट्री यह बताने को काफी थी की किस तरह सशस्त्र बल विशेष अधिकार क़ानून का सहारा लेकर सैनिकों द्वारा अत्याचार किया जाता है। पूरे आयोजन के दौरान मौजूद लोगों के चहरे पर क्षोभ और निराशा साफ देखी जा सकती थी।

आयोजन के दौरान कुलपति विभूति नारायण ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा की अब और इंतजार नहीं किया जा सकता। इरोम की आवाज सरकार तक पहुंचाने के लिए राज्य को झकझोरने की आवश्यकता है। कुलपति ने कार्यक्रम के संयोजक कमला थोकचोन, चित्रलेखा, प्रकाश और संजीव को बधाई देते हुए इरोम के संघर्ष को आगे बढ़ाने की अपील की। प्रसिद्ध कथाकार संजीव ने काफी भावुक होते हुए यही सवाल किया कि क्या हम सब इरोम के मरने की प्रतीक्षा कर रहे हैं? वहीँ दूरशिक्षा के क्षेत्रीय निदेशक धूमकेतू ने मीडिया की उदासीनता पर खिन्नता व्यक्त करते हुए पत्रकारों से आगे आने की अपील की. स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय के राकेश श्रीमाल ने मणिपुर और इरोम के संघर्ष की पूरी तस्वीर श्रोताओं के सामने रखी। इस अवसर पर छात्रों ने भी इस लड़ाई को समूचे देश में फैलाने की बात कही। कार्यक्रम के अंत में एक कैंडिल मार्च निकाला गया जो विश्वविद्यालय के गांधी हिल्स पर समाप्त हो गया।

इरोम शर्मिला के दर्द को मणिपुर के लोगों से अधिक शायद कोई नहीं समझ सकता। यही वजह है कि मणिपुर की छात्रा कमला थोकचोन वर्धा जैसे छोटे शहर में भी इरोम और मणिपुर की जनता के दर्द से सबको वाकिफ कराने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। अपनी कोशिशों और कुछ मित्रों के सहयोग से वह ऐसा करने में सफल भी हुई हैं।

बी. एस. मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी

फोटो कैप्शन: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में इरोम के समर्थन में कैंडिल मार्च निकाला